उपलब्धि

यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग और किंग्स कॉलेज लंदन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर

यूपीईएस ने वैश्विक साझेदारियों को दी मजबूती

देहरादून, 9 जनवरी (नवोदय टाइम्स): यूपीईएस ने अपनी वैश्विक पहचान को और मजबूत करने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग और किंग्स कॉलेज लंदन जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ साझेदारी की है। 2025 क्यूएस ग्लोबल रैंकिंग में इन संस्थाओं का स्थान 27 और 40 रहा, जो शिक्षा और अनुसंधान में उनकी उत्कृष्टता को दर्शाता है। साझेदारियों से एकडेमिक एक्सेलेंस को बढ़ावा मिलेगा। रिसर्च में इनोवेशन को प्रोत्साहन व सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

बताया गया है कि यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के साथ एमओयू का उद्देश्य यूपीईएस के ग्लोबल पाथवे प्रोग्राम्स को मजबूत करना और इसके इंजीनियरिंग स्कूल में प्रगति के अवसरों को बढ़ाना है। यह साझेदारी 2 2, 2 3 और 4 1 जैसे एकीकृत कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रदान करती है। जिससे छात्रों को यूपीईएस में पढ़ाई का एक हिस्सा पूरा करने और फिर यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग में जारी रखने का अवसर मिलता है।

यूपीईएस छात्र विशेष स्कालरशिप के लिए पात्र होंगे और यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग अंतिम डिग्री प्रदान करेगी। इसके अलावा, छात्र यूपीईएस में अपनी बैचलर डिग्री पूरी करने के बाद यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग में सीधे मास्टर प्रोग्राम में प्रवेश लेने का विकल्प भी चुन सकते हैं, जिससे उनके शैक्षिक व करियर संभावनाओं का और विस्तार होगा। बताया कि किंग्स कॉलेज लंदन के साथ साझेदारी में कई सहयोगात्मक पहले शामिल हैं, जिनमें जॉइंट रिसर्च परियोजनाएं शामिल हैं, जो दोनों संस्थानों के लिए लाभकारी क्षेत्रों में इनोवेशन को बढ़ावा देती हैं। यह साझेदारी यूपीईएस के छात्रों को एक्सचेंज प्रोग्राम, समर स्कूलों और अन्य शैक्षिक अनुभवों में भाग लेने का अवसर प्रदान करती है। जिससे उन्हें ग्लोबल एक्सपोजर से अपनी शैक्षिक यात्रा को और समृद्ध करने का अवसर मिलता है।

यूपीईएस के वाइस चांसलर, डॉ. राम शर्मा ने कहा, ऐसी साझेदारियां हमारी ग्लोबल एजुकेशन यात्रा का अभिन्न हिस्सा हैं। हमारा लक्ष्य नॉलेज के आदान-प्रदान, एकडेमिक एक्सेलेंस और परिवर्तनकारी अवसरों का जीवंत माहौल बनाना है। अभिषेक सिन्हा, डीन, स्कूल ऑफ लॉ और अंतरराष्ट्रीय मामलों के प्रमुख, ने इन साझेदारियों पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एडिनबर्ग विवि और किंग्स कॉलेज लंदन के साथ सहयोग हमारे प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो विश्वस्तरीय शिक्षा और रिसर्च के अवसर प्रदान करने के लिए हैं।